

## उर्दू पदें

### पद १७२

(राग: खमाज जिल्हा - ताल: दीपचंदी)

झलक मुँह दिखा झट छुपा चाहते हो। मिले हो जो दिल से कहाँ  
जाते हो ॥१॥ मै बंदा हूँ दुश्मन या आशिक तुम्हारा। मैं मैं हूँ या  
तुम हो जुदा जानते हो ॥२॥ खुदाई खुदाको न छोड़ेगी हरगिज़।  
शक्ल हम नहीं कुछ तो क्या जानते हो ॥३॥ मोहम्मद या अहमद  
या मानीक बंदा। तुम्ही जो चाहे सो बन आते हो ॥४॥